- अवसक्त पुं. (तत्.) लगा हुआ, संलग्न पुं. लगाव, संलग्नता, संबद्धता।
- **अवसक्ष** *पुं.* (तत्) 1. आवास 2. बस्ती 3. छात्रावास, 4. मठ, विहार, आश्रम।
- अवसन्न वि. (तत्.) 1. सुन्न, स्तब्ध 2. सुस्त, बेदम, आलसी 3. विषाद्ग्रस्त 4. निष्कासित 5. विनाशोन्मुख।
- अवसन्नता स्त्री. (तत्.) 1. विषादता, दुःख 2. आलस्य, कार्य करने की अनिच्छा 3. विपत्ति, विनाश।
- अवसर पुं. (तत्.) 1. मौका, 2. सुयोग 3. लाभप्रद स्थित 4. समय, काल 5. अवकाश 6. स्थान मुहा. अवसर आना- अनुकूल समय होना; अवसर चूकना- उपयुक्त समय खो देना; अवसर निकल जाना- उपयुक्त समय का बीत जाना; अवसर मारा जाना- उपयुक्त समय गंवा देना।
- अवसर-प्राप्त वि. (तत्.) 1. अवकाश प्राप्त 2. कार्यमुक्त, सेवामुक्त 3. कार्यकृत।
- अवसरवाद पुं. (तत्.) (सिद्धांतों या परिणामों पर पूरा ध्यान न देकर) विद्यमान अवसर का पूरा लाभ उठाने की कला, नीति या क्रिया।
- अवसरवादिता स्त्री. (तत्.) दे. अवसरवाद।
- अवसरवादी वि. (तत्.) अवसरवाद का पालन करने वाला, समय के अनुसार अपने सिद्धांत को बदलने वाला, अवसर का लाभ उठाने वाला, अपने लाभ के लिए उपयुक्त समय की ताक में रहने वाला।
- अवसरानुकूल वि. (तत्.) अवसर के अनुसार स्थान, काल, पात्र को देखते हुए उनके अनुसार पत्र. सामयिक घटनाक्रम के अनुसार।
- अवसर्ग पुं. (तत्.) 1. काम करने के लिए स्वतंत्र छोड़ देना 2. शिथिल करना।
- अवसर्जन पुं. (तत्.) किसी विधि (कानून) की बाध्यता या शपथगत कर्तव्य से मुक्ति।
- अवसर्प पुं. (तत्.) 1. खुफिया, जासूस 2. अचानक गिरावट की स्थिति।

- अवसर्पण पुं. (तत्.) 1. अधोगमन, अध:पतन 2. विवर्तन 3. कीमत या आर्थिक क्रियाकलाप में लगातार गिरावट रहना1
- अवसर्पिणी स्त्री. (तत्.) जैन. काल का एक भेद जिसमें रूप, बल, आयु क्रमशः अवसर्पित (घटते) होते जाते हैं। अर्थात् न्यून होते जाते हैं तु. उत्सर्पिणी।
- अवसर्पी वि. (तत्.) नीचे की दिशा में जाने वाला, उतरने की स्थिति में गति करने वाला।
- अवसाद पुं. (तत्.) 1. विषाद 2. आशा या उत्साह का अभाव 3. थकावट 4. कमजोरी, दीनता 5. नाश 6. भय 7. तलछट, गाद।
- अवसादक वि. (तत्.) 1. अवसाद उत्पन्न करने वाला 2. असफल कर देने वाला 3. शामक 4. क्षीण करने वाला।
- अवसादन पुं. (तत्.) 1. क्षय, नाश ध्वंस 2. हतोत्साहित होने की अवस्था, शिथिलन 3. कार्य न कर पाने की स्थिति 4. तलछट का इकट्ठा होना।
- अवसादी वि. (तत्.) 1. अवसादयुक्त 2. शिथिल, हतोत्साहित 2. तलछट जमा होते रहने के कारण निर्मित जैसे- चट्टानें।
- अवसादी मृत्तिका स्त्री. (तत्.) भू.वि. प्रवाह में लाई गई और नीचे जमी हुई नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी sedimentary clay
- अवसादी शैल पुं. (तत्.) भूवि. अवसादों के संचयन द्वारा निर्मित शैल जो विभिन्न मापों के शैलखंडों, जीवोत्पादों तथा रासायनिक क्रिया-जन्य पदार्थों का मिश्रण होते हैं sedimentary rock
- अवसान पुं. (तत्.) 1. समाप्ति, अंत 2. सायंकाल 3. मृत्यु प्रयो. लंबी बीमारी के बाद उनके संघर्षमय जीवन का अवसान हो गया।
- अवसामान्य वि. (तत्.) सामान्य से निचली कोटि का। sub-normal
- अवसारण पुं. (तत्.) 1. हटाना 2. खिसकाना।